

13-10-26

पत्रावली चित्र हठी। बाही व वाही अष्ट  
उपाखित नही अथि। बार-बार-उपाखण-  
दिल्याई कडो कडो नी उपाखित नही अथि।  
बाही व वाही बाधिवक नी अनुपाखित कि किं  
दाक उपाख दगरी व उपाख पेरवी अं लखिन  
किण जाता है। पत्रावली केल्ल सुभार है।  
नथर कि काम नी जाकर वाड लकमील लगील  
दाखिल दखर है।